प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को-

नोट- विद्यार्थी स्वयं करें।

विचार और कल्पना

प्रश्न-

इस कविता में कवि द्वारा माँ सरस्वती से भारत और संसार के लिए अनेक वरदान माँगे गये हैं। आप अपने विद्यालय के लिए क्या-क्या वरदान माँगना चाहेंगे?

उत्तर-

हम अपने विद्यालय के लिए शिक्षा-प्रसार में अग्रणी तथा ख्याति प्राप्त होने का वरदान माँगेंगे।

कविता से

प्रश्न 1.

कविता में भारत के लिए क्या वरदान माँगा गया है?

उत्तर-

कविता में भारत के लिए स्वतन्त्रता, अमरत्व, ज्ञान और नव-जागरण का वरदान माँगा गया है।

प्रश्न 2.

तालिका के खण्ड 'क' और खण्ड 'ख' से शब्द चुनकर शब्द-युग्म बनाईए

उत्तर-

खण्ड 'क'	खण्ड 'ख'
वीणा	वादिनी
स्वतन्त्र	रव
अन्ध	उर
विहग	वृन्द
ताल	छन्द
बन्धन	स्तर
अमृत	मन्त्र
जलद	मन्द्ररव

प्रश्न 3.

पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए

(क) काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर, बहा जननी, ज्योतिर्मय निर्झर।

भाव: अज्ञानी पुरुषों का अज्ञान दूर करो और ज्ञान का स्रोत बहा दो।

(ख) कलुष-भेद तम हर, प्रकाश भर, जगमग जग कर दे।

भाव: जितने भी पाप-दोष तथा अज्ञानता हैं. उन्हें दूर करें और ज्ञान के प्रकाश से संसार को जगमग कर दो।

(ग) नव गति, नव लय, ताल-छन्द नव, नवल कंठ, नव जलद-मन्द्ररव।

भाव: कवि प्रार्थना करता है कि हे माँ सरस्वती! तुम हम भारतवासियों को नई गति, नई लय, नई ताल, नए छंद व नई वाणी दो और बादल के समान गंभीर स्वरूप प्रदान करो।

surajclasses.com